Nai Dunia (Indore), 02nd January 2015, Page – 02

आईआईटी निदेशक का कार्यकाल खत्म, फिर भी बने रहेंगे प्रो. माथुर

इंदौर। 2009 में शुरू हुए आईआईटी इंदौर के पहले निदेशक बने प्रो. प्रदीप माथुर का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म हो चुका है। इसके बावजूद प्रो. माथुर कुर्सी पर बने रहेंगे। एमएचआरडी ने पत्र भेजकर मौजूदा निदेशक को काम करते रहने के निर्देश दिए हैं।

उन्हें दीक्षांत समारोह में स्थानीय नेताओं की अनदेखी के कारण आलोचना सहना पड़ी। इसके बाद स्थायी कैंपस निर्माण में हो रही देरी के कारण आईआईटी को दिल्ली से भी फटकार लगी। दो महीने पहले आईआईटी ने तुरत-फुरत खंडवा रोड स्थित किराए के कैंपस को खाली किया। सिमरोल के अधबने कैंपस में आईआईटी को आधा-अधूरा शिफ्ट कर दिल्ली जानकारी भेजी गई कि संस्थान अपने कैंपस में पहुंच गया है। इस बीच आईआईटी निदेशक का कार्यकाल खत्म हो गया, लेकिन नए निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया समय पर शुरू नहीं हो सकी।

एक्सटेंशन नहीं

प्रो. माथुर भले ही पद पर बने रहेंगे, पर उन्हें कार्यकाल का एक्सटेंशन नहीं दिया गया है। निदेशक को आगामी आदेश तक जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा गया है। आईआईटी की मीडिया ऑफिसर डॉ. निर्मला मेनन का कहना है कि माथुर पद पर बने रहेंगे, ऐसा आदेश आ गया है। कब तक रहेंगे यह स्पष्ट नहीं है।